ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

FOR GOD AND COUNTRY

Study Material-1
CLASS – IX

SUBJECT – HINDI
CHAPTER NAME- पेड़ का दर्द

F.M. –15
DATE-04.05.2020

---

1. सभी प्रश्नों के उत्तर को पढ़कर याद कीजिए।

क. पेड़ का दर्द कविता के कवि का नाम क्या है ? + 1

उत्तर . पैर का दर्द कविता के कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी हैं

ख. लकड़ी का टुकड़ा क्यों जलाया जा रहा है +1

उत्तर. लकड़ी का टुकड़ा भोजन पकाने के लिए जलाया जा रहा है।

ग. कुल्हाड़ी किस पर चली? +1

उत्तर. कुल्हाड़ी पेड़ पर चले

घ. क्या खुदबुद कर रहा है? +1

उत्तर. हांडी में पकता हुआ अनाज खुदबुद कर रहा है।

ङ०. पेड़ किस के कोप का भाजन हुआ है? +1

उत्तर. पेड़ मानव जाति के कोप का भाजन हुआ है।

च. कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के जीवन परिचय का संक्षिप्त वर्णन करें । +5

उत्तर. जीवन परिचय- आधुनिक हिंदी साहित्य की नई कविता के कवियों में श्री सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का नाम अग्रगण्य हैं। आप उनका जन्म 15 सितंबर 1927 को उत्तर प्रदेश स्थित बस्ती में हुआ ।उन्होंने एंगलो संस्कृत विद्यालय बस्ती से हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की और स्कूल, कॉलेज वाराणसी में प्रवेश लिया तत्पश्चात अपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए परीक्षा उत्तीर्ण की शिक्षा क्षेत्र में अध्यापन करने के उपरांत उन्होंने अकाशवानी में सहायक प्रोड्यूसर के रूप में सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने कुछ दिन

दिनमान के प्रमुख उपसंपादक पद पर वे कार्य किया बाद में बच्चों की पत्रिका पर आग का संपादन कार्य भी किया उनका निधन 25 सितंबर 1984 को हुआ।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तीसरा तार सप्तक के कवि हैं। छायावाद के उपरांत नई कविता के कवियों में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं । सुमित्रानंदन पंत ने सक्सेना जी को साहित्य कला दृष्टि की सराहना की है तथा उन्हें सहज प्रयत्न कवि और नए कवियों में कला बोध का पारखी बताया है । उनके काव्य में रूमानियत और समसामयिकता पाई जाती है।

भाषा शैली- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना खड़ी बोली के कवि हैं उन्हें छंद मुक्त कविता अविशिष्ट है उनकी भाषा सरल और स्पष्ट है कविता में कहीं-कहीं तीखे व्यंग पाए जाते हैं कविता में बिंब योजना और प्रतीकात्मक का विशेष रूप से परिलक्षित होती है भाषा प्रसाद गुण युक्त है।

रचनाएं- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना बहुमुखी प्रतिभा के धनी साहित्यकार हैं उनकी साहित्यिक कृतियां निम्न प्रकार है।

काव्य कृतियां- काठ की घंटियां बास का पोल एक सूनी गर्म हवाएं जंगल का दर्द आदि।

ज. पेड़ का दर्द कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखें? +5

उत्तर. तीसरे तार सप्तक के कवि श्री सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी अनुपम कृति है । पैर का दर्द सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का एक प्रसिद्ध कविता है। इस कविता के माध्यम से कभी हमें प्रकृति के द्वारा समझाने की कोशिश करते हुए हमें यह बताना चाहते हैं कि मानव जीवन के अस्तित्व की कल्पना करना असंभव है। प्रस्तुत कविता में कवि ने पेड़ की उत्साह ने एवं माता की कथा कही है जो समस्त त्याग की प्रतिमूर्ति होने के बावजूद इस निर्दय एवं रोड समाज ने उसके द्वारा दिए गए प्रकार के बदले उसकी संपूर्णता छीन ली है। उसको अनुपयोगी बनाया है उसके अस्तित्व को ने ममता से खंडित किया है आज लगातार करते हुए एवं संकुचित होते हुए जंगल का प्रतिनिधित्व करता हुआ वह पेड़ खतरे से भी आगाह कर देना चाहता है। बिगड़ते हुए इस प्राकृतिक पर्यावरण के संतुलन के कारण गुलदार और अन्य हिंसक पशु जंगलों से निकलकर घरों में प्रवेश कर लोगों की हत्या करने लगे हैं ।

आज के इस आधुनिक सुखवा दिस जीवनशैली के भागम भाग पेड़ पौधे का ध्यान नहीं रख रहे हैं और नहीं तो इससे विनाश करने पर ही तुले हैं अगर इस प्रकार की मानसिकता रहेगी तो हरा भरा पेड़ ऐसे ही कटते रहेंगे। इस कविता में भी कभी पैर के दर्द के बारे में बताते हुए लिखते हैं कि जब पेल जंगल में था तो वह कितना खुश था और किस तरह वह अपना जीवन व्यक्त करता वह अपना जीवन

व्यक्त करता था और जब उसको मनुष्य द्वारा काट दिया गया तब उसका जीवन कैसा बीत रहा है और क्यों उसको दर्द हो रहा है।

फिर जब जंगल में था। वह हरा भरा था । उस पर समय के साथ फुल लगते थे और फल भी पूर्णता को प्राप्त था उस पर चिड़िया आकर बैठती थी और आपस में बातें करती थी। धामिन एक डाल से दूसरे डाल पर विचरण करते थे और अपने जीवन का सुख उपभोग करते थे सब कुछ बड़ा अच्छा था साथ में और भी बहुत सारे पेड़ थे वे भी उसकी तरह हरे-भरे खुशहाल थे पर अब उसके साथ उन पर भी हिस्सा मात आने के आसार बन गए हैं पहले तो जंगल पूरा हरा-भरा रहता था उसमें पैर भी खुशहाल था और उसके दिन सुख के दिन थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।

Sonia Gupta